Sohan संस्कृति (Sohan Culture)

1. परिचय :

Sohan संस्कृति भारत की निचली पुरापाषाण (Lower Palaeolithic) संस्कृतियों में से एक है। यह संस्कृति मानव इतिहास के प्रारंभिक चरण का प्रतिनिधित्व करती है, जब मनुष्य पत्थर के औजारों का प्रयोग कर शिकार और संग्रह पर निर्भर था। इस संस्कृति का नाम पाकिस्तान के सोहन नदी (Sohan River) के नाम पर पड़ा है, जो पोटवार पठार (Potwar Plateau) से होकर बहती है।

2. कालावधि :

Sohan संस्कृति की समयावधि लगभग 5 लाख वर्ष पूर्व से 1 लाख वर्ष पूर्व मानी जाती है।

यह काल होमो इरेक्टस (Homo erectus) मानव के विकास से जुड़ा था।

3. भौगोलिक प्रसार :

Sohan संस्कृति के अवशेष मुख्यतः निम्नलिखित क्षेत्रों में मिले हैं –

सोहन नदी घाटी (पाकिस्तान)

रावलपिंडी और झेलम क्षेत्र

उत्तर भारत के कुछ भाग – विशेष रूप से पंजाब और जम्मू क्षेत्र

भारत के दक्षिण और मध्य भागों में इस संस्कृति का प्रभाव परोक्ष रूप से देखा गया।

4. मुख्य विशेषताएँ :

(i) औजार निर्माण की तकनीक :

इस संस्कृति के औजार फ्लेक तकनीक (Flake Technique) से बनाए जाते थे।

पत्थर के टुकड़ों (Flakes) को मुख्य पत्थर से अलग कर औजार के रूप में प्रयोग किया जाता था।

(ii) प्रमुख औजार :

चॉपर (Chopper),चॉपरिक औजार (Chopping Tools),स्क्रैपर (Scraper),पॉइंट (Pointed Tools)

(iii)उपयोग किए गए पदार्थ :

स्थानीय पत्थर जैसे क्वार्टजाइट (Quartzite) और फ्लिन्ट (Flint) का प्रयोग किया गया।

(iv) जीवन शैली :
लोग शिकारी-संग्रहकर्ता (Hunter-gatherer) थे।
गुफाओं या नदी तटों के पास रहते थे।
भोजन के लिए पशु शिकार और वन उत्पादों पर निर्भर रहते थे।
(v) अग्नि का प्रयोग :
इस संस्कृति में अग्नि के प्रयोग के कुछ प्रारंभिक प्रमाण मिलते हैं।
5. सांस्कृतिक महत्व :
Sohan संस्कृति दक्षिण एशिया की प्रथम पुरापाषाण संस्कृति मानी जाती है।
यह संस्कृति Acheulian संस्कृति की समकालीन थी, किंतु तकनीक और औजारों की दृष्टि से कुछ भिन्न थी।
यह मानव के तकनीकी और बौद्धिक विकास की प्रारंभिक झलक प्रस्तुत करती है।
6. Acheulian और Sohan संस्कृतियों में अंतर :
क्रमांक विशेषता Acheulian संस्कृति Sohan संस्कृति
i. औजार निर्माण द्विमुखी (Biface) औजार फ्लेक (Flake) औजार
ii. प्रमुख औजार Hand Axe, Cleaver Chopper, Scrape
iii. तकनीक उन्नत और संतुलित प्रारंभिक और सरल
iv. प्रसार क्षेत्र भारत, अफ्रीका, यूरोप पाकिस्तान, उत्तर भारत
V. सांस्कृतिक स्तर उच्च प्रारंभिक
7. भारत में महत्व :
हालाँकि Sohan संस्कृति का प्रमुख क्षेत्र पाकिस्तान में है, परंतु भारतीय पुरातत्व में इसे भारतीय उपमहाद्वीप की सबसे प्राचीन संस्कृति माना जाता है।
यह संस्कृति भारतीय मानव सभ्यता के विकास की प्रारंभिक नींव मानी जाती है।
8. पतन :
समय के साथ जलवायु परिवर्तन, नई तकनीकों का विकास, और मानव बुद्धि के विकास के कारण Sohan संस्कृति का स्थान धीरे-धीरे Acheulian और मध्य पुरापाषाण संस्कृतियों ने ले लिया।

9. निष्कर्ष :

Sohan संस्कृति मानव विकास की उस आरंभिक अवस्था का प्रतीक है जहाँ मनुष्य ने औजार निर्माण, शिकार, और सामूहिक जीवन की शुरुआत की।

यह संस्कृति भारतीय उपमहाद्वीप के मानव सभ्यता के आरंभिक इतिहास को समझने की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण है।